अमर उजाला **My City 17-09-2016**

एनएसआई के स्टूडेंटों को मिला अवार्ड

साइंटिफिक सोसायटी का वार्षिकोत्सव

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर।

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) की स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल ने शुक्रवार को साइंटिफिक सोसाइटी का वार्षिकोत्सव मनाया। इस मौके पर साइंटिफिक रिसर्च पर बेस्ट मॉडल और पेपर प्रस्तुत करने वाले स्टूडेंटों को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। वार्षिकोत्सव का उद्घाटन इसजेक थॉमसन कंपनी के बिजनेस हेड संजय अवस्थी और निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने किया।

वार्षिकोत्सव के दौरान ग्रामीण विकास में चीनी उद्योग की भूमिका, इनवायरमेंटल कंसर्न और गुणवत्ता परक चीनी पर चर्चा की गई। एनएसआई के स्टूडेंट रहे संजय अवस्थी ने कहा कि केन्या, इथोपिया, सूडान, मलावी, घाना, वियतनाम और फिलीपींस जैसे देशों ने भारतीय तकनीक का लोहा माना है। गन्ना प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए एनएसआई से तकनीक मांग रहे हैं। इस मौके पर डॉ. आशुतोष बाजपेई, डॉ. संतोष कुमार और अभिजीत सिंह मौजूद रहे।

एनएसआई में साइंटिफिक सोसाइटी के वार्षिकोत्सव के दौरान लगाई गई प्रदर्शनी।

इन स्टूडेंटों को मिला अवार्ड

साइंटिफिकः शिवम बहल, विकास गुप्ता, सुमित शुक्ला, अवनीश कुमार और पूजा सिंह।

पोस्टरः शिखा सिंह, पुष्पांजलि वेदुला, शिखा मिश्रा, अभिषेक सिंह और हरिकिशन शर्मा।

मॉडलः प्रशांति किशोर दीक्षित, राजीव कुमार यादव, अभिषेक शुक्ला और सौरभ कुमार।

हिन्दुसान **17-09-2016**

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की वैज्ञानिक समिति का वार्षिकोत्सव

क्रूड ऑयल की तरह चीनी भी रह जाएगी उपउत्पाद

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

क्रूड ऑयल की तरह चीनी भी सिर्फ बाइप्रोडक्ट (उपउत्पाद) रह जाएगी। फ्रांस और यूएस के हवाई में बायोरिफाइनरी पर काम हो रहा है। चीनी से एथेनॉल, बिजली, केमिकल्स और अन्य वस्तुएं बनाई जा रही हैं। यह जानकारी शुगर टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इसजेक थॉम्पसन कंपनी के बिजनेस हेड संजय अवस्थी ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान वैज्ञानिक समिति के वार्षिकोत्सव के शुभारंभ पर दी।

मुख्य अतिथि संजय अवस्थी ने कहा कि उनकी कंपनी मेक इंडिया को बढ़ावा देते हुए 45 देशों में शुगर मशीनरी की सप्लाई कर रही है। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि चीनी उत्पादन प्रमुख देशों ने शर्करा तकनीकीविदों और इंजीनियरों के लिए रास्ते खोले हैं। अध्यक्ष डॉ. आशुतोष बाजपेई, सचिव अभिजीत सिंह, डॉ. संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

अनूठी पहल

- इसजेक थॉम्पसन कंपनी के बिजनेस हेड ने दिए टिप्स
- फ्रांस-यूएस के हवाईद्वीप में बायोरिफाइनरी पर हो रहा काम

छात्रों ने मॉडल बना दिखाई प्रतिभा।

जीरो लिक्विड डिस्चार्ज मॉडल पर मिली ट्रॉफी

जीरो लिक्विड डिस्चार्ज इन डिस्लरी का मॉडल बनाने वाले प्रशांत किशोर, राजीव कुमार, अभिषेक शुक्ला और सौरभ कुमार की टीम को इसजेक ट्रॉफी दी गई। वैज्ञानिक प्रस्तुति का पुरस्कार शिवम बहल, विकास गुप्ता और सुमित शुक्ला ने जीता। चीनी उद्योग में जल संरक्षण और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज का पोस्टर बनाकर शिखा सिंह, पुष्पांजलि वेदुला और शिखर मिश्रा विजेता बने।

इसजेक गोल्ड मेडल

मुख्य अतिथि ने संस्थान के छात्रों को बेहतर रोजगार दिलाने का भरोसा दिया है। शुगर टेक्नोलॉजी, शुगर इंजीनियरिंग और एल्कोहल टेक्नोलॉजी के टॉपरों को इसजेक गोल्ड मेडल के साथ कैश अवार्ड 2016-17 के सत्र से दिया जाएगा।

राजनीतिक हस्तक्षेप जिम्मेदार

संजय अवस्थी ने कहा कि विदेशों की अपेक्षा भारत में चीनी उद्योग न पनपने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप जिम्मेदार है। भारत में टेक्नोलॉजी से लेकर मैनपॉवर समेत अन्य दिक्कतें नहीं हैं। सिर्फ चीनी उद्योगों को सुविधाएं मिलें।

inext 17-09-2016

PIC: I NEXT

न्यू कोर्स के बारे में जानकारी देते संस्थान के डायरेक्टर प्रो. नरेन्द्र मोहन.

NSI में न्यू सेशन से शुरू होंगी एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट की क्लासेस

शुगर इंडस्ट्री से बढ़ते प्रदूषण को रोकने में मदद करेंगे टेक्नोक्रेट्स | नेशनल लेवल के एंट्रेंस टेस्ट से ही कैंडिडेट को एडमिशन मिलेगा

i EXCLUSIVE

pradeep.tripathi@inext.co.in

KANPUR (16 Sept): पॉल्यूशन को बढ़ाने में शुगर इंडस्ट्री का भी 25 परसेंट योगदान होता है. यह आंकड़े आईआईटी के एक्सपर्ट ने पेश किए हैं. शुगर इंडस्ट्री का प्रदूषण कम करने के लिए नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट(एनएसआई) न्यू एकेडमिक सेशन से इन्वायरमेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स शुरू करने जा रहा है. मंत्रालय ने कोर्स को ग्रीन सिग्नल दे दिया है. यह जानकारी एनएसआई के डायरेक्टर प्रो. नरेन्द्र मोहन ने दी.

जीरो लिक्विड डिस्चार्ज

डायरेक्टर ने बताया कि केन्द्रीय पॉल्यूशन बोर्ड ने शुगर इंडस्ट्री को रेड कैटेगिरी में डाल दिया है. शुगर इंडस्ट्री के नॉर्म्स काफी टाइट कर दिए गए हैं. गवर्नमेंट ने शुगर डिस्टलरी में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज लगाने का फरमान जारी कर दिया है. शुगर इंडस्ट्री में एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट करने वाले टेक्नोक्रेट्स की जरूरत को देखते हुए इंस्टीट्यूट ने एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट का डिप्लोमा शुरू करने की तैयारी की है. इस सीट पर 28 स्टूडेंट्स को एडमिशन मिलेगा.

ब्रीबरी में भी डिप्लोमा मिलेगा

इसके अलावा एक ब्रीबरी कोर्स भी शुरू किया जा रहा है. इसके लिए एक लैब भी एनएसआई में स्टेब्लिश की गई है. जिसका इनॉग्रेशन हाल ही में संस्थान के दीक्षांत समारोह में आए कैबिनेट मिनिस्टर राम विलास पासवान ने किया था. इस लैब में एक बार में 100 लीटर बियर तैयार हो जाएगी.

विदेश से भी शुगर टेक्नोक्रेट्स की डिमांड

एनएसआई के टेक्नोक्रेट्स की डिमांड अब देश में ही नहीं बल्कि विदेशों से भी आ रही है. केन्या, इथोपिया, वियतनाम, सूडान, घाना फिलीपीस समेत कई कंट्रीज से शुगर टेक्नोक्रेट्स मांगे जा रहे है. इस इंडस्ट्री में जॉब की कोई दिक्कत नहीं है. यह विचार साइंटिफिक सोसाइटी के प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन प्रोग्राम में शिरकत करते हुए इसजेक के बिजनेस हेड संजय अवस्थी ने व्यक्त किए. संस्थान के पूर्व छात्र संजय अवस्थी ने कहा कि जब भी इंस्टीट्यूट का दीक्षांत समारोह होगा, इसजेक की तरफ से शुगर इंजीनियरिंग, एल्कोहल टेक्नोलाजी और शुगर टेक्नोलॉजी के टॉपर्स को ट्राफी व कैश अवार्ड दिया जाएगा. इस मौके पर एक्सपर्ट ने व्याख्यान दिए. मॉडल का प्रदर्शन पीके दीक्षित, राजीव यादव, अभिषेक सौरभ कुमार ने किया. प्रतियोगिता के विनर्स को चीफ गेस्ट ने ट्राफी प्रदान की.